पाठ्यक्रम

ड्राइंग और पेंटिंग पेपर - 1

यूनिट-I

कला का अर्थ, उत्पत्ति और विकास तथा वर्गीकरण। दृश्य कला के विभिन्न रूप और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अन्य तरीकों के साथ उनका अंतर-संबंध, जैसे प्रदर्शन कला और साहित्य। सामग्री और विधि: सामग्री का उपयोग, पेंटिंग में सहायता (कैनवास, कागज, दीवार की सतह, पैनल, मिक्स मीडिया), तेल चित्रकला और इसकी तकनीकें- दीवार पेंटिंग की पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तकनीकें- पारंपरिक (फ्रेस्को, सेको और बुओनो) और आधुनिक। वाटर कलर पेंटिंग, वॉश तकनीक, पेस्टल और क्रेयॉन, ऐक्रेलिक रंग, रंग तैयार करना और पिगमेंट का तकनीकी पहलू, रंग सिद्धांत और रंग सामंजस्य। समाज में कला की प्रकृति और कार्य।

लोक कला परंपरा: राजस्थान (मांडना, पिछवाई, फड़ और कावड़ पेंटिंग); ओडिशा और बंगाल (पाटा चित्र), बिहार (मधुबनी पेंटिंग), गुजरात (पिथोरा पेंटिंग) और महाराष्ट्र (वारली पेंटिंग)।

यूनिट - II

भारतीय कला का इतिहास - भारत में प्रागैतिहासिक चित्रकला, सिंधु घाटी सभ्यता, जोगीमारा, अजंता, बाग, बादामी और सित्तनवासल की दीवार पेंटिंग। पाल और पश्चिमी भारत की पांडुलिपि चित्रकला परंपरा। लघु चित्रकला की परंपरा: मुगल, राजस्थानी, पहाड़ी (बसोली और गुलेर-कांगड़ा) और दक्कन चित्रकला (अहमदनगर, बीजापुर और गोलकुंडा)। सिंधु घाटी से लेकर गुप्त काल तक के प्रारंभिक भारतीय मूर्तिकारों - मौर्य, शुंग, सातवाहन, कुषाण और गुप्त राजवंश का व्यापक अध्ययन।

यूनिट - III

राजस्थान के कलाकार - रामगोपाल विजयवर्गीय, कृपाल सिंह शेखावत, गोवर्धन लाल जोशी, भूर सिंह शेखावत, देवकी नंदन शर्मा, परमानंद चोयल, भवानी चरण गुए, द्वारका प्रसाद शर्मा, राम जयसवाल, सुरेश शर्मा, मोहन शर्मा, ज्योति स्वरूप, आर.वी. साखलकर, सी.एस. मेहता, भवानी शंकर शर्मा, सुमहेन्द्र शर्मा, शैल चोयल, नाथूलाल वर्मा, विद्यासागर उपाध्याय, समन्दर सिंह खंगारोत।

यूनिट - IV

पश्चिमी चित्रकला के प्रमुख चरण- प्रागैतिहासिक चित्रकला (फ्रांस और स्पेन), मिस्र, एजियन कला, ग्रीक कला और रोमन कला, बीजान्टिन, गोथिक, पुनर्जागरण, बारोक और रोकोको शैली की चित्रकला।

इकाई - V

सौंदर्य की पूर्वी अवधारणा- वेद और उपनिषदों में सौंदर्य की अवधारणा, पंडित यशोधरा का षडंगा सिद्धांत, विष्णु धर्मोत्तर पुराण, नाट्य शास्त्र में रस-सूत्र की अवधारणा और इसकी टिप्पणियाँ। रस का सिद्धांत, भरत मुनि का संयमीकरण, भट्ट लोलट्ट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनव गुप्त, रवीन्द्र नाथ टैगोर और ए.के. का योगदान। भारतीय सौंदर्यशास्त्र के प्रति कुमारस्वामी।